Seth. R. C. S. Arts & Commerce College

Utai Road, Near Ravishankar Shukla Stadium Durg (C.G.) 491001
(Run by District Education Society Durg)
Accredited with Grade B by NAAC
Affiliated to Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg
Recognised under 2(f) & 12(B) of the UGC Act, 1956
Phone: (0788) 2322457
Website: www.rcscollege.com Email: rcscollege1964@gmail.com

वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

प्रतिवेदन

सेठ आर. सी. एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय वाणिज्य विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय विपणन में भारतीय अर्थव्यवस्थाः अवसर एंव चुनौतियाँ (आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष 1947–2022 तक) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 11 एंव 12 अक्टूबर को महाविद्यालय में किया गया। संगोष्ठी के प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा थीं एंव मुख्य वक्ता के रूप में नागपुर के सी.पी. एंड बरार कॉलेज से डॉ. मेधा कानेटकर एसोसिएट प्रोफेसर उपस्थित हुई। डॉ. मेधा कानेटकर अपने संबोधन में आजादी के बाद से अभी तक भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में बताया तथा विभिन्न प्रधान मंत्री के कार्यकाल में अर्थव्यवस्था के उतार चढाव का जिक्र किया।

सत्र की अध्यक्षता श्री प्रवीण चन्द्र तिवारी अध्यक्ष जिला शिक्षण समिति ने की और अपनी बात रखी एंव महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। जिला शिक्षण समिति के संरक्षक डॉ. जयराम अय्यर हृदय रोग विशेषज्ञ ने भी अपनी उपस्थिति प्रदान की एंव भारतीय अर्थव्यवस्था पर अपनी बात रखी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गजानंद कटहरे ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता में डॉ. आर. पी. अग्रवाल प्राचार्य कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई नगर उपस्थित थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में विपणन में अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया एंव पूर्व एंव वर्तमान समय में विपणन पर अपनी बात रखी। सत्र के अध्यक्षता कर रहे डॉ. आर. एन. सिंह प्राचार्य शासकीय वी. वाय. टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग ने अन्तर्राष्ट्रीय विपणन में भारत एंव रूस के संबंधों पर अपनी बात रखी। आज भारत एक बहुत बड़ा बाजार है जिसे विश्व के प्रमुख राष्ट्र नजर अंदाज नहीं कर सकते। द्वितीय सत्र के प्रमुख वक्ता डॉ. गौरव शर्मा सहायक प्राध्यापक शासकीय चंदूलाल चन्द्राकर महाविद्यालय पाटन ने कहा कि जी.एस.टी. और नोटबंदी पर अपनी बात रखी। सभी के अध्यक्षता कर रहे श्री डी. आर. भावनानी पूर्व प्राचार्य सेठ आर. सी. एस. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय दुर्ग ने अन्तर्राष्ट्रीय विपणन पर अपनी बात रखी।

द्वितीय दिवस 12 अक्टूबर को प्रथम सत्र में डॉ. सी. एस. शर्मा प्राध्यापक श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स नई दिल्ली ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान किया एंव कहा कि किसी भी राष्ट को अर्थव्यवस्था मजबूत तभी होगी जब वो तकनीकि रूप से मजबूत होगा एंव नवाचार से ही अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने विश्वस्तरीय अग्रणी कम्पनीयों का उदाहरण दिया और वे किस प्रकार सफल से उसकी जानकारी प्रदान की। इस सत्र की अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुमीत अग्रवाल उप कुलसचिव हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ने देश में उपलब्ध संसाधनों एवं उसकी बेहतर उपयोगिता पर अपनी बात बहुत ही सरल शब्दों में रखी।

द्वितीय सत्र में डॉ. एच. पी. सलूजा अध्यक्ष अध्ययन मंडल वाणिज्य ने वाणिज्य विषय के तकनीकि शब्दावली को स्पष्ट किया एंव अन्तर्राष्ट्रीय विपणन पर अपनी बात रखी। समापन सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. सुब्बा राव सीनियर मैनेजर एनटीपीसी डॉर्लीपाली ओडिशा एंव मुख्य अतिथि श्री अनूप मिश्रा जनरल मैनेजर एनटीपीसी कोरबा उपस्थित हुए अपनी बात रखी। विशेष अतिथि डॉ. मनीषा शर्मा गीतांजली एजुकेशन सोसायटी उपस्थित हुई। अध्यक्षता श्री मलय जैन ने की। इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रों में शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र का वाचन एंव पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण किया गया। समस्त अतिथियों को महाविद्यालय द्वारा शॉल, श्रीफल एंव स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संगोष्ठी में लगभग 150 शोधार्थियों ने पंजीयन कराया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निधि मिश्रा, डॉ. पूजा मल्होत्रा, डॉ. रानी शुक्ला एंव श्रीमती पवनदीप कौर ने की। विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक, शोधार्थी एंव छात्र–छात्राएँ उपस्थित होकर संगोष्ठी का लाभ उठाया।

प्राचार्य